

ओडीओपी की तरज पर 'वन डिसट्रिक्ट-वन वेटलैंड' की तैयारी

चर्चा में क्यों?

9 दसिंबर, 2022 को प्रदेश के पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन एवं जंतु उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण कुमार सकसेना ने जानकारी दी कि सरकार ने प्रदेश में 'वन डिसट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' की तरज पर अब 'वन डिसट्रिक्ट-वन वेटलैंड' पर काम करने का फैसला किया है। इस संबंध में प्रदेश के सभी प्रभागीय वनाधिकारियों को प्रस्ताव उपलब्ध कराने के नरिदेश दिये गए हैं।

प्रमुख बदि

- राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण कुमार सकसेना ने बताया कि इस योजना के तहत हर जनपद में एक वेटलैंड को सँवारने का काम किया जाएगा, जिससे वह पर्यटन के लहिाज से आकर्षण का केंद्र बन सके।
- प्रदेश सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक जनपद में एक वेटलैंड को इको टूरजिज्म के तहत विकसित किया जाए, जिससे पर्यटन के मानचित्र में इस वेटलैंड को खास स्थान मलि सके। इससे प्रदेश के इको टूरजिज्म का दायरा और व्यापक होगा। सरकार की इस पहल से अभी तक जो वेटलैंड उपेक्षित स्थिति में हैं या जनि पर कसिी का ध्यान नहीं गया है, उनका कायाकल्प हो सकेगा।
- इसके साथ ही राजधानी लखनऊ के कुकरैल में प्राण उद्यान को शफिट करने और नाइट सफारी का काम जल्द शुरू होगा। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2023 के अंत तक कुकरैल जू एवं नाइट सफारी की स्थापना का लक्ष्य नरिधारित किया है और लखनऊ चड़ियाघर का अगला स्थापना दविस कुकरैल में मनाए जाने का नरिणय किया गया है।
- वन मंत्री ने वन टरलियिन इकोनामी के संबंध में वन वभिाग को दिये गए दस हज़ार करोड़ के लक्ष्य की प्राप्ति के लिये प्रदेश में लकड़ी आधारित उद्योगों की स्थापना के लिये जनपदवार लक्ष्यों को नरिधारण करने के नरिदेश दिये। साथ ही काष्ठ कला बोर्ड की स्थापना के संबंध में चर्चा की गई।
- उन्होंने बरेली में जू स्थापना के प्रगतिकी जानकारी ली। वहीं सांडी नवाबगंज समसपुर पक्षीवहिर, सारनाथ डयिर पार्क, इंदरिा गांधी वनस्पति उद्यान, रायबरेली के बेहतर प्रबंधन के लिये सोसायटी-ट्रस्ट के गठन का प्रस्ताव जल्द उपलब्ध कराने के नरिदेश दिये।